भारत - न्यूजीलैंड संबंध

भारत और न्यूजीलैंड के बीच ब्रिटिश साम्राज्य से जुड़ा एक सामान्य ऐतिहासिक संबंध है तथा दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण एवं सौहार्द्रपूर्ण रिश्ते हैं जो राष्ट्रमंडल, संसदीय लोकतंत्र एवं अंग्रेजी भाषा से जुड़ी जड़ों पर आधारित हैं। दोनों देश नि:शस्त्रीकरण, वैश्विक शांति, उत्तर दक्षिण वार्ता, मानवाधिकार, पारिस्थितिकी परिरक्षण तथा आतंकवाद की खिलाफत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में समान रूप से हमराही हैं। पिछली शताब्दी के परिवर्तित होने के साथ ही जब इस देश के लिए भारत से प्रवास शुरू हुआ तभी से जन दर जन संपर्कों पर बल दिया जा रहा है तथा भारतीय मूल की एक बड़ी आबादी (अनुमानित रूप से तकरीबन 1,74,000) ने न्यूजीलैंड को अपना स्थायी घर बना लिया है। पर्यटन एवं खेल संबंध, विशेष रूप से क्रिकेट, हॉकी एवं पर्वतारोहण ने दोनों देशों के बीच सद्भाव विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

भारत और न्यूजीलैंड की ओर से उच्च स्तर पर हाल की यात्राएं

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता तथा संसदीय कार्य मंत्रालय के लिए माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री राजीव प्रताप रूडी के नेतृत्व में एक बहु दलीय संसदीय सद्भावना शिष्टमंडल ने 1 से 3 जून 2015 के दौरान न्यूजीलैंड का दौरा किया। शिष्टमंडल ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री से मुलाकात की तथा न्यूजीलैंड की संसद के स्पीकर के साथ बैठक की तथा शिष्टमंडल के सदस्यों का सदन से परिचय कराया गया। माननीय राज्य मंत्री ने न्यूजीलैंड के तृतीयक शिक्षा, कौशल और रोजगार मंत्री श्री स्टीवन जोयसे के साथ अकेले में बैठक की। शिष्टमंडल ने आकलैंड में यूनिटेक और वेलिंगटन में वेलटेक का दौरा किया।

7वें सी पी सी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए के माथुर के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने 26 से 29 अक्टूबर, 2015 के दौरान न्यूजीलैंड का दौरा किया। श्री रामेन्द्र चंद्र देबनाथ, माननीय स्पीकर, त्रिपुरा विधानसभा, ने 15 से 18 अक्टूबर 2014 के दौरान ऑकलैंड का दौरा किया तथा न्यूजीलैंड की संसद में भारतीय मूल के तीन सदस्यों तथा भारत - न्यूजीलैंड समुदाय के प्रभावशाली सदस्यों के साथ विचारों का आदान प्रदान किया। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार सर पीटर ग्लुकमन के निमंत्रण पर भारत सरकार एवं डी ई ए के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डा. आर चिदंबरम ने 'सरकारों को वैज्ञानिक सलाह - अग्रणी अभ्यासकर्ताओं के लिए एक वैश्विक सम्मेलन' नामक सम्मेलन में भाग लेने के लिए 28-29 अगस्त 2014 को ऑकलैंड का दौरा किया।

न्यूजीलैंड सरकार में ऊर्जा एवं संसाधन मंत्री माननीय सिमोन ब्रिज के निमंत्रण पर माननीय इस्पात मंत्री श्री बेनी प्रसाद वर्मा के नेतृत्व में 29 जनवरी से 1 फरवरी 2014 के दौरान एक आठ सदस्यीय भारतीय शिष्टमंडल ने न्यूजीलैंड का दौरा किया। अपने समकक्ष माननीय सिमोन ब्रिज से मुलाकात करने के अलावा माननीय इस्पात मंत्री ने भारत - न्यूजीलैंड व्यवसाय परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा राज्य क्षेत्र की कंपनी सॉलिड एनर्जी के पदाधिकारियों से भी बातचीत की।

लोकसभा के माननीय उपसभापति प्रो. पी जे कुरियन के नेतृत्व में एक चार सदस्यीय भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने 21 से 24 जनवरी 2014 के दौरान वेलिंगटन में आयोजित राष्ट्रमंडल के स्पीकर एवं पीठासीन अधिकारियों के 22वें सम्मेलन (सी एस पी ओ सी) में भाग लेने के लिए न्यूजीलैंड का दौरा किया। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. एम एम पल्लम राजू के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने 9 जुलाई 2013 को वेलिंगटन में आयोजित भारत - न्यूजीलैंड शिक्षा परिषद की दूसरी बैठक में भाग लेने के लिए न्यूजीलैंड का दौरा किया।

श्रीमती लोकसभा की माननीय अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार के नेतृत्व में एक संसदीय शिष्टमंडल ने 13 से 17 अप्रैल 2012 के दौरान न्यूजीलैंड का दौरा किया। 13 अप्रैल्को ऑकलैंड की अपनी यात्रा के दौरान माननीय अध्यक्ष महोदया ने न्यूजीलैंड के राष्ट्रमंडल महिला सांसदों से बातचीत की तथा भारत - न्यूजीलैंड व्यापार परिषद द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में भी भाग लिया। माननीय अध्यक्ष महोदया ने न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष को न्यूजीलैंड के प्रतिनिधि सदन के सदस्यों के एक शिष्टमंडल के साथ भारत का दौरा करने का निमंत्रण भी दिया।

प्रधानमंत्री जॉन केय की भारत की राजकीय यात्रा : प्रधानमंत्री माननीय जॉन केय ने श्रीमती ब्रोनाग केय के साथ 26 से 30 जून 2011 के दौरान भारत का राजकीय दौरा किया। उनके साथ इस दौरे पर व्यापार मंत्री माननी श्री टिम ग्रोसर तथा संसद सदस्य श्री कंवलजीत सिंह बक्शी, वरिष्ठ अधिकारी तथा व्यापार एवं मीडिया से जुड़े प्रतिनिधि भी आए थे। उन्होंने राष्ट्रपति एवं उप राष्ट्रपति से मुलाकात की, प्रधानमंत्री जी के साथ बातचीत की तथा विदेश मंत्री, यू पी ए अध्यक्ष तथा प्रतिपक्ष की नेता से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री जॉन केय ने सी आई आई, फिक्की एवं एसोचैम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कारोबारी लंच बैठक को भी संबोधित किया। इस यात्रा के दौरान दो करारों पर हस्ताक्षर किए गए - (1) श्रव्य - दृश्य सहयोग पर करार; और (2) विज्ञान एवं नवाचार पर सहयोग के लिए प्रोटोकॉल।

विदेश मंत्री मुरे मैक कुली की भारत यात्रा : न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री ने 4 जून 2013 को भारत का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने माननीय विदेश मंत्री, सी आई टी एम, खेल मंत्री

तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। एफ टी ए पर प्रगति, जो न्यूजीलैंड के लिए एक उच्च प्राथमिकता का मुद्दा है, के अलावा अन्य द्विपक्षीय / क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा हुई। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री ने नवंबर 2013 में नई दिल्ली में एशिया - यूरोप विदेश मंत्री (असेम) बैठक में भी भाग लिया।

भारत में न्यूजीलैंड व्यापार एवं उद्यम व्यवसाय शिष्टमंडल मिशन के लिए कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए न्यूजीलैंड की न्याय, न्यायालय, संचार और प्रसारण मंत्री सुश्री ऐमी ऐडम्स ने 20 से 25 सितंबर, 2015 के दौरान भारत का दौरा किया।

भारत की ओर से वी वी आई पी यात्राएं :

क्र. सं.	तिथि	गणमान्य व्यक्ति
1.	1968	श्रीमती इंदिरा गांधी
2.	1986	श्री राजीव गांधी

(ख) न्यूजीलैंड की ओर से वी वी आई पी यात्राएं :

क्र. सं.	तिथि	गणमान्य व्यक्ति
1.	1960 का दशक	प्रधानमंत्री वाल्टर नैश
2.	1970 का दशक	प्रधानमंत्री नॉर्मन किर्क
3.	1980 का दशक	प्रधानमंत्री डेविड लांज
4.	अक्टूबर, 2004	प्रधानमंत्री हेलेन क्लार्क
5.	सितंबर 2008	गवर्नर जनरल आनंद सत्यानंद
6.	अक्टूबर, 2010	गवर्नर जनरल आनंद सत्यानंद
7.	जनवरी 2011	गवर्नर जनरल आनंद सत्यानंद
8.	जून, 2011	प्रधानमंत्री जॉन केय

दोनों देशों के बीच करार :

- **व्यापार करार - अक्टूबर 1986**
- **दोहरे कराधान के परिहार पर करार - अक्टूबर 1986**
- **भारत एवं न्यूजीलैंड के बीच नागर विमानन करार - अगस्त 1997**
- **आई सी ए आर तथा न्यूजीलैंड के बागवानी अनुसंधान संस्थान के बीच वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग पर एम ओ यू - मार्च 1998**
- **पादप संगरोध के मुद्दों पर सहयोग के लिए कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार तथा कृषि एवं वानिकी विनियामक प्राधिकरण मंत्रालय, न्यूजीलैंड के बीच तकनीकी सहयोग पर एम ओ यू - अप्रैल 1999**
- **सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत एवं न्यूजीलैंड के बीच व्यवस्था - दिसंबर, 2001**
- **भारतीय कारपेट प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई सी टी) और न्यूजीलैंड के ऊन अनुसंधान संगठन (डब्ल्यू आर ओ एन जेड) के बीच एम ओ यू - मार्च 2003**
- **भारतीय वैश्विक मामले परिषद तथा न्यूजीलैंड अंतर्राष्ट्रीय मामले संस्थान के बीच सहयोग पर एम ओ यू - नवंबर 2008**
- **शिक्षा सहयोग व्यवस्था - अप्रैल 2010**
- **भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में परिषद का अल्पावधिक चेयर और / या विश्वविद्यालय में भारतीय राजनीति चेयर स्थापित करने के लिए भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद तथा विक्टोरिया वेलिंगटन विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड के बीच एम ओ यू - सितंबर 2010**
- **श्रव्य - दृश्य सहयोग पर करार**
- **विज्ञान एवं नवाचार पर सहयोग के लिए प्रोटोकॉल**

विदेश कार्यालय परामर्श : परामर्श के नवीनतम चरण का आयोजन अप्रैल 2015 को नई दिल्ली में हुआ।

वाणिज्यिक संबंध : दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि हो रही है तथा यह वर्ष 2014 में 1.130 बिलियन डालर के आसपास पहुंच गया है। पिछले 5 वर्षों में न्यूजीलैंड में द्विपक्षीय व्यापार से संबंधित आंकड़े (मिलियन डालर में) नीचे दिए गए हैं :

	2010	2011	2012	2013	2014
भारत को निर्यात	900	938	789	669	622
भारत से आयात	368	387	419	423	508

भारत को निर्यात की जाने वाली प्रमुख मदों में कोकिंग कोल, ऊन, लॉग, भेंड़ स्किन लेदर, कच्ची खाल एवं स्किन शामिल हैं। भारत से आयात की जाने वाली प्रमुख मदों में डायमंड, आभूषण, बेड लिनेन, टेबल लिनेन, गार्मेंट एवं फुटवियर शामिल हैं। न्यूजीलैंड में जिन भारतीय कंपनियों की उपस्थिति है उनमें निम्नलिखित शामिल हैं : महिंद्रा - सत्यम, एच सी एल टेक्नॉलजी, विप्रो, इनफोसिस एवं टेक महिंद्रा, न्यू इंडिया एस्योरेंस कंपनी लिमिटेड तथा बैंक ऑफ बड़ोदा की न्यूजीलैंड में उपस्थिति है।

संयुक्त व्यापार परिषद : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्राल नोडल मंत्रालय है। संयुक्त व्यवसाय आयोग की बैठक न्यूजीलैंड में मई, 2011 में हई थी।

मुक्त व्यापार करार : न्यूजीलैंड और भारत 2007 में मुक्त व्यापार करार (एफ टी ए) के प्रभावों का संयुक्त रूप से अध्ययन करने के लिए सहमत हुए। यह अध्ययन फरवरी 2009 में पूरा हो गया तथा अब इसे न्यूजीलैंड एवं भारत की सरकारों द्वारा स्वीकार एवं अनुमोदित किया जा चुका है। भारत एवं न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार करार (एफ टी ए) पर वार्ता अप्रैल 2010 में आरंभ हुई। वार्ता के 10 चक्र का आयोजन नई दिल्ली में 16 से 18 फरवरी 2015 के दौरान हुआ।

भारत और नयूजीलैंड के बीच आर्थिक वार्ता : वित्त मंत्रालय तथा न्यूजीलैंड ट्रेजरी के बीच वार्षिक वार्ता वर्ष 2009 में आरंभ हुई। शुरुआती वार्ता जून 2009 में नई दिल्ली में हुई। दूसरे चक्र का आयोजन वेलिंगटन में सितंबर 2010 में हुआ तथा तीसरे चक्र का आयोजन नई दिल्ली में नवंबर 2011 में हुआ। पांचवीं वार्षिक वार्ता नई दिल्ली में 13 जून 2014 को हुई।

सांस्कृतिक क्षेत्र में सहयोग : आई सी सी आर / न्यूजीलैंड के संगठनों द्वारा सहायता तथा स्थानीय भारतीय समुदाय की पहल के आलोक में भारत की ओर से नृत्य मंडलियों के अनेक दौरों का आयोजन किया गया है तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी अक्सर आयोजन किया जाता है। वर्ष 2002 से न्यूजीलैंड में दिवाली को भारतीय समुदाय के प्रतिनिधि महोत्सव के रूप

में मान्यता दी गई है तथा संबंधित नगर परिषदों के तत्वावधान में नयूजीलैंड के सभी बड़े शहरों में एशिया - न्यूजीलैंड प्रतिष्ठान द्वारा हर साल एक सप्ताह चलने वाले समारोह का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2015 में ऑकलैंड दिवाली महोत्सव का उद्घाटन प्रधानमंत्री जॉन केय द्वारा किया गया। दिवाली मनाने के लिए 12 नवंबर, 2015 को न्यूजीलैंड की संसद ने भी एक समारोह का आयोजन किया जिसमें प्रधानमंत्री जॉन केय ने भी भाग लिया।

भारतीय समुदाय : न्यूजीलैंड में भारतीय डायसपोरा की संख्या 174,000 के आसपास है जिसमें से अनुमानत: 140,000 भारतीय मूल हैं, जबकि अनुमान है कि 35,000 फिजी - भारतीय वंश के हैं। न्यूजीलैंड के शिक्षा विभाग के अनुसार 20,227 भारतीय छात्र इस समय न्यूजीलैंड में पढ़ रहे हैं तथा भारत के अधिकांश छात्र (14,896) निजी प्रशिक्षण स्थापनाओं में पढ़ रहे हैं। पी आई ओ समुदाय मुख्य रूप से गुजरात एवं पंजाब से आया है तथा वे मुख्यत: ऑकलैंड, हेमिलंटन, वेलिंगटन एवं क्राइस्टचर्च में रहते हैं। इनमें से अधिकांश किराना के व्यवसाय में तथा डेयरी के कार्य में लगे हैं। डॉक्टर, प्रोफेसर, इंजीनियर, सनदी लेखाकार एवं कंप्यूटर विशेषज्ञ सहित अनेक पेशेवर भी हैं। भारतीय मूल के अधिकांश लोगों ने न्यूजीलैंड की नागरिकता ले ली है। प्रमुख कस्बों में भारतीय संघ हैं जो समुदाय की मदद करते हैं तथा अपनी सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देते हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, वेलिंगटन की वेबसाइट :
www.hicomind.org.nz
भारतीय उच्चायोग, वेलिंगटन का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/HighCommissionofIndiaNewZealand

****

जनवरी, 2016